भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2211

(जिसका उत्तर सोमवार, 5 अगस्त, 2024/14 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है)

वित्तीय स्थिरता

2211. डॉ. प्रदीप कुमार पाणिग्रही:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार जटिल आर्थिक परिस्थिति से निपटने, राजकोषीय घाटे को कम करने, आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने, कर सुधारों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने, निवेश आकर्षित करने, वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के प्रभाव को कम करने के लिए रणनीति बना रही है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): सरकार घरेलू आर्थिक विकास, निवेश व्यय, कर और अन्य राजकोषीय सुधारों तथा वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है, जिससे वैश्विक अनिश्चितताओं का प्रभाव कम होने की संभावना है। केंद्रीय बजट 2024-25 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में 2023-24 में 5.6 प्रतिशत (अनंतिम) से घटाकर 2024-25 में 4.9 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। बजट में करों को सरल बनाने, करदाता सेवाओं में सुधार करने, कर निश्चितता प्रदान करने और मुकदमेबाजी को कम करने के उपायों की रूपरेखा भी दी गई है। पूंजीगत व्यय, अवसंरचना निर्माण और लॉजिस्टिक पर सरकार के निरंतर बल से निजी निवेश को बढ़ावा मिला है। रोजगार, कौशल विकास, नवाचार, कृषि में समुत्थानशीलता, समावेशी मानव संसाधन विकास, उपयुक्त ऊर्जा संक्रमण मार्ग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए सहायता पर दिए जा रहे जोर से भी विकास को गति मिलने की संभावना है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए सकेंद्रित उपायों के साथ इन उपायों से वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्तीय और वृहद आर्थिक स्थिरता को सहायता मिलने की उम्मीद है।